newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ३० | १४ से २० अगस्त २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

जादुटोना का जाल

अंधविश्वास की वजह से इस तरह के वाकये अक्सर सामने आते रहते हैं, जिसमें काला जादू या अन्य तंत्र-मंत्र और कर्मकांड जैसे अंधविश्वास में पड़ कर लोग किसी की हत्या या उसके खिलाफ हिंसा कर बैठते हैं। जब अंधविश्वास और इससे उपजी त्रासदियों पर बात होती है तब आमतौर पर यही माना जाता है कि इसकी जकड़न में दूरदराज या गांव-देहात के लोग ही होते हैं। इस मामले में शहरों को इसलिए रियायत दी जाती है कि पढ़ाई-लिखाई, जागरूकता या विज्ञान और तकनीक के विकास की वजह से ऐसे इलाकों में लोगों के सोचने-समझने का नजरिया बदलता है। वे आधुनिक और वैज्ञानिक दृष्टि से चीजों को देखना शुरू करते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शहरों-महानगरों में भी आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जो लोगों की जीवन-पद्धतियों, मूल्यों पर सवाल उठाते हैं। बल्कि कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि दिन-रात तकनीक की दुनिया में जीने वाले लोग चेतना के स्तर पर इस हद तक कैसे पिछड़े रह जाते हैं कि महज किसी अंधविश्वास या बेमानी धारणा के आधार पर वे किसी की हत्या तक कर डालते हैं। उनके भीतर विवेक इस स्तर तक अनुपस्थित हो जाता है कि सिर्फ मन में उपजे किसी शक के बाद जघन्य वारदात को अंजाम देने से पहले वे इसके नतीजों के बारे में सोच तक नहीं पाते। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में भी इस तरह के अंधविश्वासों और उसके नतीजे में होने वाली त्रासद घटनाएं होती रहती हैं। दिल्ली के जाफरपुर कलां में सोमवार को एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी की चाकू से गोद कर सिर्फ इसलिए हत्या कर दी कि उसके दिमाग में अपने ऊपर काला जादू कर दिए जाने का शक घर कर गया था। उसने बीच-बचाव करने वाले एक अन्य व्यक्ति पर भी जानलेवा हमला किया। जाहिर है, अब कानून अपना काम करेगा। लेकिन विडंबना यह है कि प्रगति के तमाम दावों और सख्त कानूनों के बावजूद लोगों के दिमाग से अंधविश्वास के जाले साफ नहीं हो सके हैं और इस दुश्चक्र में पड़ कर वे न केवल अपने सामान्य जीवन को बुरी तरह बाधित कर लेते हैं, बल्कि इसके असर में कई बार उनके दिमाग पर नियंत्रण नहीं रह जाता और वे हत्या जैसा जघन्य अपराध भी कर डालते हैं। दिल्ली में अंधविश्वास की वजह से इस तरह के वाकये अक्सर सामने आते रहते हैं, जिसमें काला जादू या अन्य तंत्र-मंत्र और कर्मकांड जैसे अंधविश्वास में पड़ कर लोग किसी की हत्या या उसके खिलाफ हिंसा कर बैठते हैं। हालांकि गांव-देहात या दूरदराज के इलाकों में ऐसी घटनाएं आम हैं और इसका कारण वहां शैक्षिक पिछड़ापन और जागरूकता के अभाव को माना जाता रहा है। लेकिन शहरों में अगर अच्छी शिक्षा-दीक्षा और ज्ञान के संपर्क के सभी संसाधनों के बीच भी अंधविश्वास की जड़ें गहरी पाई

ईडी का बहाना ढोले का तबादला, क्या मेहता के इशारे पर हुआ ट्रांसफर

२०२४ चुनाव की लहर मिरा भायंदर में जोरों से फेल रही है, जहां बीजेपी एक के बाद एक अपना दाव खेल रही ही. हाल ही में मनी लॉंड्रिंग केस में सम्मन जारी होने के बाद मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले का तबादला कर संजय काटकर नियुक्त किए गए है. मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त दिलीप ढोले को नगर पालिका में २०१४ और २०१६ के शहरी भूमि सीलिंग घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय के समन के बाद स्थानांतरित कर दिया गया है. आईएएस अधिकारी (२०१४ बैच) संजय काटकर को नए नागरिक प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने बुधवार शाम को पदभार ग्रहण किया. काटकर पहले नवी मुंबई में सिडको के संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात थे. अपने कार्यकाल के दौरान महत्वपूर्ण पदों पर रहने के अलावा, काटकर ने नासिक डिवीजन के उपायुक्त (राजस्व) के रूप में भी कार्य किया. यह सारा राजनीती का खेल देखते हुए लोगों का यह मानना है की मिरा भायंदर की राजनीती नरेंद्र मेहता के इर्द गिर्द ही घुमती है, और पहले जिस तरह से रवी व्यास को हटा कर किशोर शर्मा को नियुक्त किया गया और अब दिलीप ढोले को हटा कर संजय काटकार. बीजेपी का यह फेरबदल मिरा भाइंदर के शहरवासियों से छुपा नहीं है, और कही न कही यह शहर के नए निर्माण की और भी संकेत कर रहा है. दिलीप ढोले ने मिरा भाइंदर शहर के मनपा आयुक्त का पदभार २ साल से भी ज्यादा कार्यकाल संभाला है, जिसमें उन्हेंने मिरा भाईंदर शहर और जनता के हित के लिए कई कार्य किए, और अब इस कार्य को आगे बढाने का जिम्मा संजय काटकर के ऊपर है जिसे बीजेपी शहर के लिए और विकास को और बढेग़ी. मिरा भाईंदर शहर में २०२४ का चुनावी खेल शुरू तो हो गया है, अब देखना यह होगा की इस खेल में जनता की हित के लिए कितने मुद्दे जितते है, और कितने मुद्दे हारते है.

नाटक को लेकर महाड्रामा, मराठी अस्मिता का अपमान

मीरारोड : मीरा भायंदर मनपा के स्व.लता मंगेशकर नाट्य गृह में रविवार को हुए दो अलग - अलग भाषा के नाटक मंचन पर अब राजनीतिक महाड्रामा शुरू हो गया है। शिवसेना (शिंदे) विधायक प्रताप सरनाईक ने अप्रत्यक्ष रूप से नाम लिए बिना विधायक गीता जैन पर प्रांतवाद का आरोप लगाते हुए इसे मराठी अस्मिता का अपमान बताया। तो वहीं गीता जैन ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे मनपा के अधिकारी की गलती पर पर्दा डालना बताया। दो नाटकों के मंचन के बीच समय का अंतर नहीं होने से यह विवाद उपजने और मनपा अधिकारियों की लापरवाही भी उजागर हुई है। दरअसल रविवार को मनपा के लता मंगेशकर नाट्य गृह में पहली बार राहुल भंडारे द्वारा निर्मित मराठी नाटक करून गेलो गांव के मंचन के लिए नाट्य गृह को बुक कराया गया था। जिसे मनपा द्वारा दोपहर का समय दिया गया

था और उन्हें शाम को ५.३० बजे तक नाट्य मंच खाली करने के लिए कहा गया था। क्योंकि उसी दिन पहले से ही श्याम सुमिरन मंडल ने भी कार्यक्रम के लिए नाट्य गृह की बुकिंग कराई थी। दोनों ही आयोजकों ने अपने अपने कार्यक्रम की टिकट बिक्री की थी, लेकिन मराठी नाटक निर्धारित समय पर समाप्त नही हुई। जिससे श्याम सुमिरन की टिकट खरीदने वाले प्रेक्षकों की भीड़ नाट्य गृह के बाहर जमा हो गई और हंगामा होने लगा। मंडल के पदाधिकारियों ने इसकी शिकायत विधायक गीता जैन से की। जैन नाट्य गृह में पहुंच कर वहां पर उपस्थित नाट्य गृह के कर्मचारियों पर क्रोध में बरस पडी। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही राजनीतिक महा ड्रामे की शुरुआत हो गई। मंगलवार को विधायक सरनाईक ने मनपा आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर मीरा भायंदर में मराठी को जीवित रखने के लिए सडक़ पर उतरकर आंदोलन करने और दोबारा ऐसी गलती ना हो इसकी चेतावनी दी।

जनता नेताओं का चरित्र और चेहरा पसंद करती है-रवि व्यास

भायंदर। उत्तर भारतीय समाज का गढ़ कहे जाने वाले मीरा भायंदर में पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी की ताकत और लोकप्रियता में अप्रत्याशित इजाफा हुआ। गुटबंदी के बावजूद बीजेपी को चाहने वालों की संख्या में लगातार बढोतरी हुई। आम जनता की माने तो वह नेताओं का चरित्र और चेहरा पसंद करती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बीजेपी के विधान सभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे, एडवोकेट रवि व्यास ने जिलाध्यक्ष के रूप में शानदार पारी खेली । हमेशा पार्टी के दिशा निर्देशों का पालन किया और अंतिम पायदान पर खडे.व्यक्ति तक बीजेपी की आवाज और विचारधारा पहुंचाई। मीरा भायंदर में युवा और क्रियाशील चेहरा के रूप में सामने आए एडवोकेट व्यास ने राजस्थानी समाज के साथ-साथ

उत्तर भारतीय समाज में भी गहरी पैठ बनाई। छोटे से छोटे कार्यक्रमों से लेकर बडे.से बडे.कार्यक्रमों में उपस्थित रहने वाले एडवोकेट व्यास का कहना है कि छोटे-मोटे मनमुटाव तो होते रहते हैं। हम सभी एक ही मिशन को लेकर आगे बढ.रहे हैं। आने वाले सभी चुनाव में बीजेपी को नंबर वन बनाना है। कल रामदेव पार्क स्थित महिला मोर्चा जिला सचिव एडवोकेट अरुणा पांडे के कार्यालय में पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। एडवोकेट सत्यप्रकाश पांडे, युवा बीजेपी नेता संदीप तिवारी, विद्याशंकर चतुर्वेदी, एड बीके सिंह, कृपा शंकर पांडे, इंद्रेश तिवारी, रामअवतार राय, अमरेंद्र मिश्रा ,राज बहादुर सिंह, राजेंद्र पाठक, अजीत उपाध्याय, सुरेंद्र पाल, सिंह जय दयाल शुक्ला, केके तिवारी ,राजन पांडे जैसे तमाम उत्तर भारतीय लोगों की उपस्थिति में उनका जोरदार स्वागत किया गया। एडवोकेट रवि व्यास के जिलाध्यक्ष रहते मीरा भायंदर के कोने कोने में पार्टी कार्यालय खोले गए। प्रबुद्ध लोगों को पार्टी से जोडा गया। उनकी मेहनत का प्रभाव अब दिखाई देने लगा है।

राजपुत समाज को मिली सौगात, भवन का हुआ शुभारंभ

भायंदर। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक के विशेष प्रयत्नों के चलते मीरा भायंदर में राजस्थानी भवन के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया। कल शाम को स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर नाट्य गृह में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के वंशज कुंवर लक्ष्यराज सिंह के हाथों वीर शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप राजस्थानी भवन का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम

में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा के वरिष्ट विधायक पुष्पेंद्र राणावत ने कहा कि इस भवन को न सिर्फ राजस्थानी समाज अपितु पूरे मीरा भायंदर की शान और गौरव बढेग़ा। उन्होंने ऐतिहासिक भवन के भूमि पूजन के लिए संपूर्ण राजस्थानी समाज की तरफ से शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मीरा भायंदर राजस्थानी समाज के हजारों नागरिक और व्यापारी उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक तथा शिवसेना के मीरा भायंदर विधानसभा अध्यक्ष विक्रम प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए शिवसेना के जिला प्रमुख राजू भोइर, मीरा भायंदर राजस्थानी सेवा संघ के संस्थापक सदस्य शिवसेना राजस्थानी जिला अध्यक्ष कपिल परमार, जगदीश नायक तथा संस्था के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ-साथ श्री महाराणा प्रताप एकता मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी व प्रताप फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष विद्या शंकर चतुर्वेदी, धर्मेंद्र सिंह तथा रितेश सिंह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

देशद्रोही संभाजी भिडे को तुरंत अटक करे - रमेश गायकवाड

मुंबई : देशद्रोही संभाजी भिडे को तुरंत अटक करे इस मांग को लेकर आरीपआई जिल्हाध्यक्ष रमेश गायकवाड इनके नेतृत्व मे गोकुळ आनंद जंक्शन दहिसर यहा धरणा आंदोलन

किया गया. इस आंदोलन मे रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के महिला और कार्यकर्ता भारी संख्या मे उपस्थित थे. इस आंदोलन मे रमेश गायकवाड ने कहा की संभाजी भिडे देशद्रोही है. तिरंगा ध्वज का अपमान करता है. महापुरुषों का अपमान करता है छत्रपती शिवाजी महाराज के स्मारक को भी विरोध करता है ऐसे जातीवादी संभाजी भिडे को सरकारने तुरंत जेल मे डालना चाहिए उनकी सभा को परवानगी नही देना चाहिए ताकी महाराष्ट्र की कायदा और सुव्यवस्था शांतता अबाधित रहे संभाजी भिडे को अटक नही किया तो रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की तरफ से पूरे महाराष्ट्र मे तीव्र आंदोलन किया जायेगा ऐसा इशारा जिल्हाध्यक्ष रमेश गायकवाड ने दिया

महाजन पर हुए कायरतापूर्ण हमले की मीरा-भायंदर शहर के पत्रकारों ने निंदा की

भायंदर : पचोरा तालुका के वरिष्ठ पत्रकार संदीप महाजन पर हुए प्राण घातक हमले के विरोध में मीरा-भायंदर शहर के सभी पत्रकारों ने काली पट्टी बांधकर गुरुवार को अपर तहसीलदार कार्यालय के बाहर मौन प्रदर्शन किया। इस मौके पर शहर के कई प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मौजूद थे। शिवसेना (शिंदे) विधायक किशोर पाटिल ने चार दिन पूर्व पचोरा तालुका के स्थानीय पत्रकार संदीप महाजन को फोन किया और उनके साथ गाली गलौज करते हुए धमकी दी थी। उसके बाद बुधवार को रेलवे से संबंधित एक खबर के संदर्भ में नगर पालिका के मुख्य द्वार के पास पाटील के समर्थकों ने उनकी पिटाई कर दी। जिस चौक पर संदीप पर हमला किया गया ।उस चौक का नाम महाजन के पिता के संदीप महाजन के नाम पर है। वे स्वतंत्रता सेनानी थे। इस हमले का पूरे महाराष्ट्र में पत्रकारों द्वारा विरोध किया जा रहा है। पत्रकारों पर हमलों की संख्या में दिनोदिन वृद्धि हो रही है, इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून को मजबूत करने की जरूरत है। महाजन पर हुए कायरतापूर्ण हमले की मीरा-भायंदर शहर के पत्रकारों ने निंदा की। तहसीलदार कार्यालय के बाहर काला रिबन बांधकर मौन प्रदर्शन किया गया। साथ ही लिखित पत्र के माध्यम से हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

मादक पदार्थ के साथ अंकित जाधव गिरफ्तार

भायंदर : सेंट्रल क्राइम ब्रांच की टीम ने भायंदर पूर्व के नवघर गांव स्थित गांवदेवी मंदिर के पास संदिग्धावस्था में घूम रहे एक युवक के पास से ५२ ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एम डी ड्रग्स) जप्त की है। जिसका बाजार मूल्य १० लाख ४० हजार रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए युवक का नाम अंकित भरत जाधव (२१) है। वह नवघर गांव का ही निवासी है। मीरा - भायंदर ,वसई विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत मीरारोड, भायंदर परिसर में मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश वरिष्ट पुलिस अधिकारियों ने दिया था। इसके अनुसार सेंट्रल क्राइम ब्रांच के प्रभारी पुलिस निरीक्षक राहुल राख, सहायक पुलिस निरीक्षक दत्तात्रय सरक की टीम मीरा भायंदर परिसर में गश्त लगा रही थी ।इस दौरान नवघर गांव में गांवदेवी चाल के पास जाधव संदिग्ध अवस्था में घूमते दिखाई दिया। पुलिस की टीम ने जाल बिछाकर, उसे अपने कब्जे में लिया और उसकी तलाशी ली तो एमडी ड्रग्स बरामद हुई ।जाधव के खिलाफ नवघर पुलिस थाने में एनडीपीएस की एक्ट १९८५ की कलम ८ (क), २२ (क) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

वृक्ष छटनी शुल्क करे रद्द - व्यास

भायंदर : मीरा भायंदर शहर के संपत्ति धारक नागरिकों द्वारा टैक्स के साथ प्रति वर्ष वृक्ष कर अदा किए जाने के बाद भी वृक्ष की छटनी, टहनियों की छटनी के लिए अलग से शुल्क भरना पडता है। १४५ मीरा -भायंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास ने इसे नागरिकों के साथ अन्याय कारक बताते हुए मनपा आयुक्त - प्रशासक दिलीप ढोले से इस शुल्क को रद्द करने की मांग की है। एड.व्यास ने आयुक्त ढोले को दिए लिखित निवेदन में कहा है की मनपा द्वारा वृक्ष छ्टनी शुल्क वसूले जाने की शिकायतें उन्हें कई रहिवासी सोसायटी के पदाधिकारियों से प्राप्त हुई है। बिल्डिंग निर्माण के समय बिल्डर या सोसायटी द्वारा लगाए गए छोटे पौधे आज बडे. वृक्ष में रूपांतरित हो गए हैं। उनकी बढी हुई टहनियों की छटनी शुल्क का अतिरिक्त भार सोसायटी के रहवासियों पर पडता है। साथ ही मनपा के इस निर्णय से निजी विकास या सोसायटी के लोग वृक्षारोपण से मुंह मोडने लगेंगे। इससे मनपा के हरित मीरा भायंदर और मेरी वसुंधरा जैसे अभियान प्रभावित होंगे और पर्यावरण संतुलन की समस्या उत्पन्न हो सकती है। वहीं केंद्र सरकार और राज्य सरकार की वर्ष २०४० तक स्थानिक स्वराज्य संस्थाओं द्वारा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, पर्यावरण का संवर्धन कर हरित वायु निर्माण करने के निर्देश के पालन में भी अवरोध उत्पन्न होंगे। एक तरफ मनपा द्वारा शहर के नागरिकों से पर्यावरण संवर्धन, संरक्षण के प्रयत्न करने की शपथ दिलाई जाती है। दूसरी तरफ उनसे वृक्ष जतन के लिए भारी शुल्क वसूल किया जाता है। मनपा की इस दोहरी भूमिका से नागरिकों में नाराजगी फैल रही, इसलिए वृक्ष छ्टनी शुल्क वसूली पर पुनर्विचार कर इसे रद्द करें, ऐसी मांग एड.व्यास ने की है।

दशक्रिया घाट का शुल्क रद्द,अब मीरा - भायंदर मनपा खुद करेगी संचालन

भायंदर । भायंदर पूर्व के जेसल पार्क चौपाटी पर दशक्रिया घाट पर तिलांजलि, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करने के लिए वसूला जा रहा है शुल्क रद्द कर दिया गया है ।घाट का संचालन व देखभाल अब मीरा - भायंदर मनपा खुद करेगी ।प्रति परिवार प्रतिदिन २०० रूपया शुल्क वसूल किए जाने का विरोध क्षेत्रीय निवर्तमान नगरसेवक मदन सिंह,जेसल पार्क चौपाटी कल्याण समिति आदि ने किया था। चौपाटी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता आदि ने शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक को इस संदर्भ में ज्ञापन दिया था। परिणाम यह हुआ की मीरा भायंदर मनपा आयुक्त ने घाट की देखरेख और संचालन का ठेका रद्द कर दिया और यह काम खुद अपने हाथ में ले लिया है ।पहले भी मनपा ही देखभाल करती थी ।पिछले महीने में यह काम आगरी समाज उन्नत संस्था के हाथों में दे दिया गया। मदन सिंह का आरोप था कि संस्था कोई सेवा नहीं देती है,सिर्फ व्यापार कर रही है ।हालांकि संस्था के अध्यक्ष व निवर्तमान नगरसेवक रोहिदास पाटिल ने कहा था कि घाट पर बेहतर साफ-सफाई और इंतजाम का काम उनकी संस्था कर रही है ।उनका कहना था कि पहले घाट पर बैठने के लिए पुरोहितों में कहासुनी होती थी। उनकी संस्था के हाथ में संचालन आने पर यह सब बंद हो गया।

बीजेपी के नए जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा का हुआ सत्कार

भायंदर। भारतीय जनता पार्टी, मीरारोड मंडल द्वारा कल भाजपा जनसंपर्क सेवालय संस्कृति-१, शाप नं.- २ पूनमविहार पी.जी.वोरा स्कूल रोड मीरारोड पूर्व में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मीरा भायंदर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए किशोर शर्मा ने कहा कि वे दी गई जिम्मेदारियां का पूरे मनोयोग के साथ निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर जिला, मंडल, प्रभाग के पदाधिकारी, नगरसेवक, नगरसेविकाएं ,पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक तथा बीजेपी मीरा रोड मंडल के पूर्व अध्यक्ष नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे ने मंडल की तरफ से किशोर शर्मा को बधाई देते हुए, समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पार्किंग को लेकर रवि व्यास ने उठाया मुद्दा

भायंदर । गाडिय़ों की टोइंग का मुद्दा एक बार फिर भाजपा ने उठाया है ।पूर्व जिलाध्यक्ष एड.रवि व्यास ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर ऐसे स्थानों से गाडिय़ां टोइंग न करने की मांग की हैं, जहां पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। व्यास ने कहा कि गाडी उठाने से पहले पार्किंग की व्यवस्था करना भी प्रशासन की जिम्मदारी है ।शहर में स्कूल,अस्पताल,पूजा स्थल,बैंक, मीरा भायंदर मनपा मुख्यालय,प्रभाग कार्यालय,बिजली कार्यालयों,राशनिंग कार्यालय,थानों,पुलिस आयुक्त व उपायुक्त कार्यालय में लोग जरूरी काम से जाते हैं। अंदर से लौटते हैं,तो गाडी गायब रहती है ।पार्किंग के अभाव में लोगों को मजबूरी में सडक़ पर गाडी खडी करनी पडती है ।उन्होंने पत्र के कहा है कि ऐसी जगहों से गाडिय़ों की टोइंग बंद होनी चाहिए ।व्यास ने कहा कि पूरे शहर में सडक़ और फुटपाथ पर गैरेज, सेकेंड हैंड कार,फेरीवालों का अतिक्रमण है ।वह यातायात पुलिस को नजर नही आता है।

शहर की सड़कों को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता ने उठाया मुद्दा

मीरारोड : मीरा भायंदर शहर के सडक़ों की हालत ऐसी है की गड्डों में सडक़ है या सडक़ों पर गड्ढे यह कहना मुश्किल हो गया है ।सभी मुख्य सडक़ों पर गड्ढों की भरमार दिखाई देती है, तो रोड टैक्स क्यों अदा करें.. ? ऐसा सवाल कांग्रेस के प्रवक्ता प्रकाश नागणे ने मनपा आयुक्त व प्रशासक से किया है। नागणे ने मांग की है कि आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सडक़ के गड्ढों को तुरंत भरने का कार्य शुरू किया जाए। बता दे की चालू आर्थिक वर्ष में मनपा के प्रशासकीय राज में १०% रोड टैक्स वसूलने का निर्णय लिया गया है ।नागरिकों द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद भी सभी के प्रॉपर्टी टैक्स बिल में रोड टैक्स जोडक़र भेजा गया है। इसके बावजूद शहर के नागरिकों ने चार माह के भीतर ही १०० करोड.से अधिक टैक्स अदा कर दिया है ।उन्हें अच्छी ,मजबूत सडक़े उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। नागणे का कहना है कि रोड टैक्स के अलावा भी बजट में सडक़ों के लिए करोडों रुपए खर्च की प्रावधान की गई है। फिर भी सडक़ो पर गड्ढों की भरमार है। कांग्रेस प्रवक्ता प्रकाश नागणे ने मनपा प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा है कि महानगर पालिका सडक़े बनाने,विस्तारीकरण, डामरीकरण, सीमेंट कंक्रीट कारण आदि पर करोडों रुपए खर्च करती है, परंतु कुछ माह में ही इन सडक़ों पर बडे-बडे.गड्ढे दिखाई देने लगते हैं। टेंडर में टक्केवारी के कारण सडक़ निर्माण का दर्जा व ठेकेदारों पर अधिकारियों का अंकुश नहीं रह जाता है। अधिकारियों को लगता है कि ठेका दे दिया हमारी जिम्मेदारी खत्म हो गई। सडक़ों के गड्ढे, मेट्रो रेल के कार्य, ट्रैफिक जाम, सिग्नल यंत्रणा, सडक़ों पर फेरी वालों का कब्जा आदि समस्याओं की वजह से दो पहिए, चार पहिए वाहन चालकों को यातायात में काफी कठिनाई हो रही है ।आयुक्त इसकी गंभीर दखल लेकर ठेकेदारों व संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित कर सडक़ों के गड्ढे तुरंत भरने व उसे मजबूत बनाएं , ऐसी मांग नागणे ने मनपा आयुक्त को दिए निवेदन में किया है।

एमएमआरडीए मुद्दों को लेकर ग्रामीणों के समर्थन में गीता जैन

भायंदर । किसानों के भारी विरोध के बाद बदली गई मेट्रो कारशेड की जगह जिलाधिकारी ने एमएमआरडीए को सुपुर्द कर दी है।यह जगह अंतिम मेट्रो स्टेशन बालयोगी सदानंद महाराज से ४ किमी दूर है।इसके बीच राई-मोरवा में दो और मेट्रो स्टेशन बनाने की मांग है। मेट्रो कारशेड पहले मुर्धा -राई गांव में प्रस्तावित था।इसके लिए ३ २ हेक्टेयर कृषि भूमि जा रही थी। जिसका शुरू से किसान विरोध कर रहे थे।विरोध को विधायक गीता जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का समर्थन था।जैन कारशेड की जगह बदलने के लिए प्रयासरत थीं।जैन ने कहा कि दो और मेट्रो स्टेशन की ग्रामीणों की मांग को उनका समर्थन है। एमएमआरडीए और मुख्यमंत्री को उन्होंने पत्र लिखा है। मीरा भायंदर मनपा की नई डेवलपमेंट प्लान(डीपी)में जगह आरक्षित करने का नोटिफिकेशन भी निकल गया था।विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कारशेड बदलने का वादा दिया था।नई जगह डोंगरी में टीला पर है।५९.७९ हेक्टेयर जगह सरकारी है।इस जगह को जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने सशर्त एमएमआरडीए को हस्तांतरित कर दिया है।यहां मेट्रो कॉरिडोर ९ व ७-अ का कारशेड होगा।

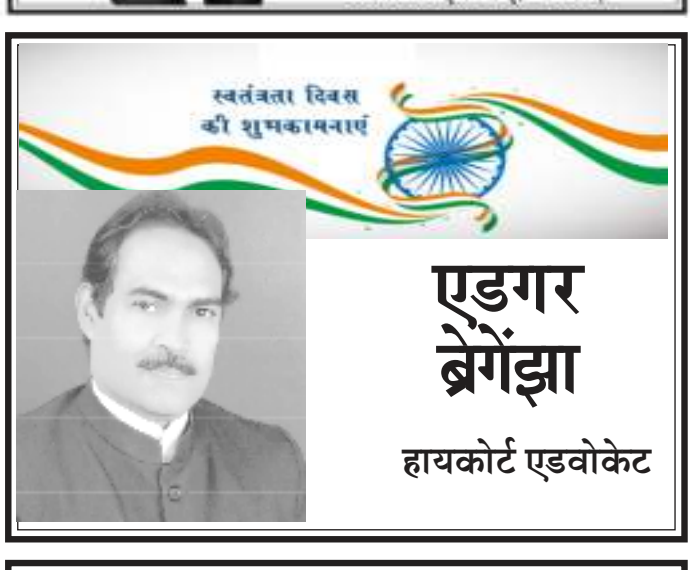

प्रताप सरनाईक
आमदार
विधानसभा सदस्य - महाराष्ट्र राज्य

विधानसभा महाराष्ट्र

दिनांक : ११ ऑगस्ट, २०२३

प्रति,
मा. श्री. दिलिप घेवारे,
सहाय्यक संचालक - नगररचना,
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका, मिरा-भाईंदर.

विषय : महाराणा प्रताप भवन उभारण्यात येणाऱ्या जागेच्या बदली संदर्भात.

महोदय,

ओवळा-माजिवडा विधानसभा मतदारसंघातील मिरा-भाईंदर महानगरपालिका हद्दीमध्ये अपना घर या प्रकल्पाच्या विकासकाकडून सुमारे २७० चौ.मी. चा सुविधा भुखंड महानगरपालिकेकडे हस्तांतरीत झाला होता. त्यावर सुमारे १२ ते १३ हजार स्के.फुटाचे बांधकाम अनुज्ञेय असल्याने सदरच्या भुखंडावर वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप भवन उभारण्याची मागणी मी राज्याचे लोकप्रिय मुख्यमंत्री मा. श्री. एकनाथ शिंदे साहेब यांचेकडे केली असता त्यांनी या भवनासाठी सुरुवातीची रक्कम म्हणून १ कोटी रूपये मंजूर केले होते. सदरचा निधी महानगरपालिकेकडे प्राप्त झाल्यानंतर सार्वजनिक बांधकाम विभागाने १ कोटी रूपयांच्या निधीमध्ये होणाऱ्या बांधकामाचे नकाशे शहर विकास विभागाकडे सादर करून मंजूरी देखील मिळवली होती.

त्यानुसार शनिवार दि. १२ ऑगस्ट,२०२३ रोजी महाराणा प्रताप यांचे वंशज युवराज - श्री. लक्षराज सिंहजीत तसेच राजस्थानचे काही लोकप्रतिनिधी व मिरा-भाईंदर शहरातील लोकप्रतिनिधी तसेच प्रशासनाच्या उपस्थितीमध्ये महापालिका प्रशासनाने निमंत्रण पत्रिका छापून भुमिपुजनाचा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आलेला आहे. परंतु, महानगरपालिकेचे कर्मचारी अपना घर या सुविधा भुखंडावर मंडप बांधण्यास गेले असता त्या इमारतीमध्ये राहणाऱ्या रहिवाश्यांनी "विकासकाने आम्हाला खोटे सांगून आमची फसवणुक केली असून या सुविधा भुखंडावर जाण्यासाठी पर्यायी रस्ता निर्माण केल्याशिवाय आम्ही भुमिपुजन होऊ देणार नाही" असा पवित्रा घेतल्यामुळे या प्रकरणामध्ये वाद निर्माण झालेला आहे त्याचबरोबर वीर शिरोमणी महाराणा प्रतापांचे नाव सदरहू भवनाला मिळाल्यामुळे ह्या ठिकाणी कुठलाही वाद होताच कामा नये, या मताचा मी आहे.

खरे पाहता, शासनाच्या धोरणानुसार कुठलाही सुविधा भुखंड ताब्यात घेत असताना त्याला स्वतंत्र रस्ता तसेच कुंपन भिंत व प्रवेशद्वार बनवून तसेच ७/१२ वर महानगरपालिकेचे नाव नोंदवल्यानंतरच विकासकाला सी.सी. व ओ.सी. प्रमाणपत्र देणे बंधनकारक असताना विकासकाला फायदा होण्याच्या दृष्टीने प्रशासनाने संशयास्पद निर्णय घेतल्यामुळे हा वाद निर्माण झालेला आहे. तसेच अपना घर या सोसायटीतील रहिवाश्यांनी घेतलेली भुमिका चुकीची नसून अतिशय योग्य आहे. कारण, कुठल्याही सोसायटीला स्वत:च्या सोसायटीची काळजी घेणे बंधनकारक आहे. कारण सदरचा सुविधा भुखंड हा सार्वजनिक झाल्यास त्या ठिकाणी भविष्यामध्ये कोणीही प्रवेश केला असता. त्यामुळे सोसायटीची सुरक्षा योग्य प्रकारे राहू शकत नसल्याचे स्थानिक आमदार म्हणून माझेही मत आहे. त्यावर उपाय योजना म्हणून याच विकासकाचे आसपासच्या परिसरामध्ये अनेक विकास प्रकल्प सुरू असून तेवढ्याच आकाराचा सुविधा भुखंड त्या विकासकाकडून आपण अन्य ठिकाणी घ्यावा व अपना घर येथील सुविधा भुखंडावर शासनाच्या निधीतून उभारण्यात येणारा प्रकल्प दुसऱ्या ठिकाणी स्थलांतरीत करून या वादावर पडदा टाकून माझ्या या पत्राला लेखी स्वरूपात उत्तर द्यावे, अशी मी आपणास विनंती करीत आहे.

धन्यवाद !

आपला स्नेहांकीत,

(प्रताप सरनाईक)

ठाणे कार्यालय : बी १/२, विहंग गार्डन, रेमंड कंपनी समोर, पोखरण रोड नं.१, ठाणे (प) ४००६०६. दुरध्वनी : ०२२-२५४२०२१७ / २५४२३१००
भाईंदर कार्यालय : मंगलनगर, हटकेश, मिरारोड (पूर्व), दुरध्वनी : ०२२-२८११५०५० भ्रमणध्वनी : ९८२११०५००० | Website: www.pratapsarnaik.co

विभाजन विभीषिका दिवस पर मूक मोर्चे का आयोजन संपन्न

भाईंदर : आजादी का अमृत महोत्सव २०२३ के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मूक मोर्चा/ यात्रा का सफल आयोजन मीरा भायंदर शहर में भाजपा के सर्वोच्च नेता एवं मा. अमदार श्री नरेंद्र नेताजी के नेतृत्व में एवम जिलाध्यक्ष श्री किशोर शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। भारत पाकिस्तान विभाजन की वजह से लोगों में तिरस्कार और अविश्वास की भावना जागृत हो गई थी और असंख्य लोगों ने अपने प्राण गवाएं थे, इसके बारे में लोगों को जागृत करना था। इस दुखद घटना की स्मृति में जिला स्तर पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस मोर्चे में घटना से संबंधित चित्रों का कटआउट/ प्लेकार्ड, तख्ती बनाकर सभी लोगो ने सफेद परिधान धारण करके अपने मुंह पर सफेद पट्टी लगाकर पैदल मौन यात्रा की। इस कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा जी, भरत बोहरा जी, सुनील केसरी जी, नगर सेवक नगरसेविकाओं के साथ-साथ सभी कार्यकर्ताओ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI